वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 289 | शुक्रवार 16 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मरुधरा हाफ मैराथन

राजस्थान की संस्कृति, पुरातत्व और विविधता को प्रदर्शित करेगी मैराथन, पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. कासं। कल्पतरु शिक्षा समिति द्वारा रॉयल राजस्थान रनर्स व देसी अखाडा के सहयोग से 24 मार्च को अपनी ही तरह की एक अलग मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य समाज को स्वस्थ रखने का सन्देश देने के साथ-साथ राजस्थानी संस्कृति, पुरातत्व एवं विविधता को प्रदर्शित करते हुए ''धरती धोरा री'' की परिकल्पना के साथ राजस्थान को मरुधरा के रूप में विश्व पटल पर एक पहचान दिलाना है। परंपरानुसार आयोजन समिति ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर जाकर गणेशजी को प्रथम निमंत्रण देकर मैराथन के पोस्टर का विमोचन कर इसके प्रचार-प्रसार की विधिवत शुरूआत की। आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील गौड़ ने बताया कि मैराथन में सेलिब्रिटी गेस्ट महाभारत के द्रोणाचार्य और शक्तिमान सीरियल के तमराज किलविश के रूप में ख्याति प्राप्त एक्टर सुरेंद्र पाल सिंह प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने की लिए उपस्थित रहेंगे। यह मैराथन चार कैटेगेरी 3 , 5,10 और 21 किलोमीटर में होगी। इसमें 10 वर्ष से ऊपर की आयु वर्ग के सभी महिला एवं पुरुष भाग ले सकते हैं।

15 दिन का अल्टीमेटम: नॉन वेंडिंग जोन से अतिक्रमण हटाने व अन्य मांगों को लेकर 80 से अधिक व्यापारी संगठनों का बड़ी चौपड़ पर प्रदर्शन

प्रदर्शन में 80 से अधिक व्यापारी संगठनों ने भाग लिया और सरकार को 6 प्रमुख मांगों से अवगत कराया। धरने की अध्यक्षता व्यापार महासंघ के अध्यक्ष व राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने की।

जयपुर. शाबाश इंडिया

बाजारों में आ रही विभिन्न समस्याओं को लेकर राजधानी के व्यापरियों ने गुरुवार को बड़ी चौपड़ पर तीन घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के लिए व्यापारी सुबह 11 बजे जयपुर व्यापार मंडल के नेतृत्व में जुलूस के रूप में बड़ी चौपड़ पहुंचे। प्रदर्शन में 80 से अधिक व्यापारी संगठनों ने भाग लिया और सरकार को 6 प्रमुख मांगों से अवगत कराया। धरने की अध्यक्षता व्यापार महासंघ के अध्यक्ष व राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने की। जयपुर व्यापार महासंघ के महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया कि धरने से पहले सीएम को मांगों संबंधी प्रस्ताव भेजा गया। इसमें बाजारों में नॉन वेडिंग जोन में अतिक्रमण हटाने की प्रमुख मांग है। संजय बाजार इसका पहला उदाहरण है। अव्यवस्थित तरीके से चल रहे ई-रिक्शा का जोनवाइज बंटवारा किया जाए। तीनों चौपड़ों पर बने सुलभ कॉम्प्लेक्स को मेट्रो के निर्माण के दौरान हटा दिया गया था, उन्हें मेट्रो की ओर से वापस बनाना था, लेकिन अभी तक नहीं बताया। वहीं ऑटो रिक्शा की दरें निर्धारित करके मीटर से चलाए जाएं, बड़ी-छोटी चौपड़ पर बने मेट्रो के लेवल-प्रथम तल पर वाहनों की पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इसके अलावा रामनिवास बाग में बनी अंडरग्राउंड पार्किंग से संजय बाजार रुई मंडी और रामलीला मैदान तक अंडरग्राउंड सब-वे बनाया जाए। ताकि व्यापारी रामनिवास बाग में पार्किंग का ज्यादा उपयोग कर सकें। संयोजक कैलाश मित्तल ने

बताया की नगर निगम द्वारा दिए गए पार्किंग ठेको की शर्तों के अनुसार पालना कराई जाए। अगर 15 दिन में हमारी मांगे नहीं मानी गई तो जयपुर बंद किया जाएगा। शर्तों की उल्लंघन करने पर प्रतिदिन चालान बनाया जाए। व्यापार महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडीया व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सैनी ने बताया कि उम्मीद है कि सरकार जल्द ही मांगे पूरी करेगी। इस मौके पर व्यापार महासंघ के उपाध्यक्ष नीरज लुहाडिया, प्रकाश सिंह व मिंतर सिंह राजावत मौजूद रहे। ऑटो रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह व महामंत्री जगदीश नारायण शर्मा ने व्यापार महासंघ को इस बात पर सहमति व्यक्त की कि प्रशासन द्वारा जयपुर में ऑटो रिक्शा की यूनियन से वार्ता कर नई दरें निर्धारित करने पर ऑटो रिक्शा मीटर से चलेंगे।

सभी कलेक्टर्स जल जीवन मिशन की जिला स्तर पर हर सप्ताह करें समीक्षा

गर्मियों से पहले पेयजल समस्या निस्तारण और औचक दौरा करें: सुधांश पंत

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने गुरुवार को प्रदेशभर के कलेक्टर्स की जनसुनवाई को वीसी के जरिए देखा। पंत ने कलेक्टरों को गर्मियों से पहले पानी की समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कलेक्टरों को हर सप्ताह पानी की समस्याओं को लेकर बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने खास तौर पर जल जीवन मिशन की योजनाओं पर जोर देते हुए कहा कि जिलास्तरीय बैठक कर इनकी समीक्षा की जाए। उन्होंने संपर्क पोर्टल की समस्याओं के समाधान होने पर उसका फोटो सहित निस्तारण भेजे ताकि गुड गवर्नेंस को निचले स्तर तक लागू किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि अधिकारी अपने क्षेत्र के आमजन से जुड़े विभागों बिजली, पानी, पुलिस थानों, अस्पतालों, आंगनबाड़ियों का औचक निरीक्षण करें। उन्होंने विभागों में फाइलों के निस्तारण में समय की पालना को लेकर गंभीरता बरतने की चेतावनी भी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री के जिले भरतपुर में 33 प्रतिशत रोड लाइटें के खराब होने पर कलेक्टर को मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

जयपुर कलेक्ट्रेट में 165 समस्याएं लेकर पहुंचे लोग

कलेक्ट्रेट में जिले के सभी एसडीएम वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए सीधे जुड़े। परिवादियों की अधिकतर समस्याएं व शिकायतें पट्टे जारी नहीं होने, सिवायचक व मंदिर माफी की जमीनों पर कब्जे, रास्ते खुलवाने, राशन का गेंहू नहीं मिलने, पेंशन की थी। जनसुनवाई में 165 लोग शिकायतें लेकर पहुंचे। कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित, जिला परिषद सीईओ डॉ. शिल्पा सिंह,एसपी जयपुर-ग्रामीण शांतनु कुमार व एडीएम-1 दिनेश

शर्मा ने 21 प्रकरणों को मौके पर निस्तारित किया। विधायक-आमेर प्रशान्त शर्मा, एडीएम-4 लोकेश मीणा, एडीएम साउथ अबू सुफियान, एडीएम नॉर्थ अलका विश्नोई, सहायक निदेशक लोक सेवाएं सुशीला मीणा, सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

जैन धर्म के तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का ज्ञान कल्याणक मनाया

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र कोटखावदा में जैन धर्म के तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव से मनाया गया ।राजस्थान जैन युवा महासभा ग्रामीण महामंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः कालीन बेला में भगवान विमलनाथ का अभिषेक , शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना के विशेष आयोजन हुए। पूजा के दौरान ज्ञान कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अर्घ चढ़ाया गया । सायंकाल महाआरती के बाद भक्ति संध्या का आयोजन हुआ जिसमें धर्मावलम्बीयों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया इस अवसर पर समिति अध्यक्ष महावीर गंगवाल , महामंत्री दीपक वैद, पंकज जैन, रितेश वैद, चेतन जैन, राजेश वैद , जिनेन्द्र जैन सहित आदि समाज बंधु उपस्थित रहे।

तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का मनाया ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ,पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर तथा चंद्रवीरपुरी मंदिर सहित सभी जिनालयों में 15 फरवरी को जैन धर्म के तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमल नाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ,कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि मुनिसुव्रतनाथ जैन मंदिर में प्रातः श्रावकों द्वारा श्रीजी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ ज्ञान कल्याणक महोत्सव का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाकर विश्व शांति की कामना की गई। उक्त कार्यक्रम में कपूर चंद नला, मोहनलाल झंडा, कैलास कासलीवाल,संतोष बजाज, रमेश बजाज, महावीर बजाज, सुशील कासलीवाल,कमलेश नला, कमलेश झंडा,कमलेश कुमार चौधरी,आशु झंडा, जीतू कासलीवाल,तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी पदाधिकारी गण श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

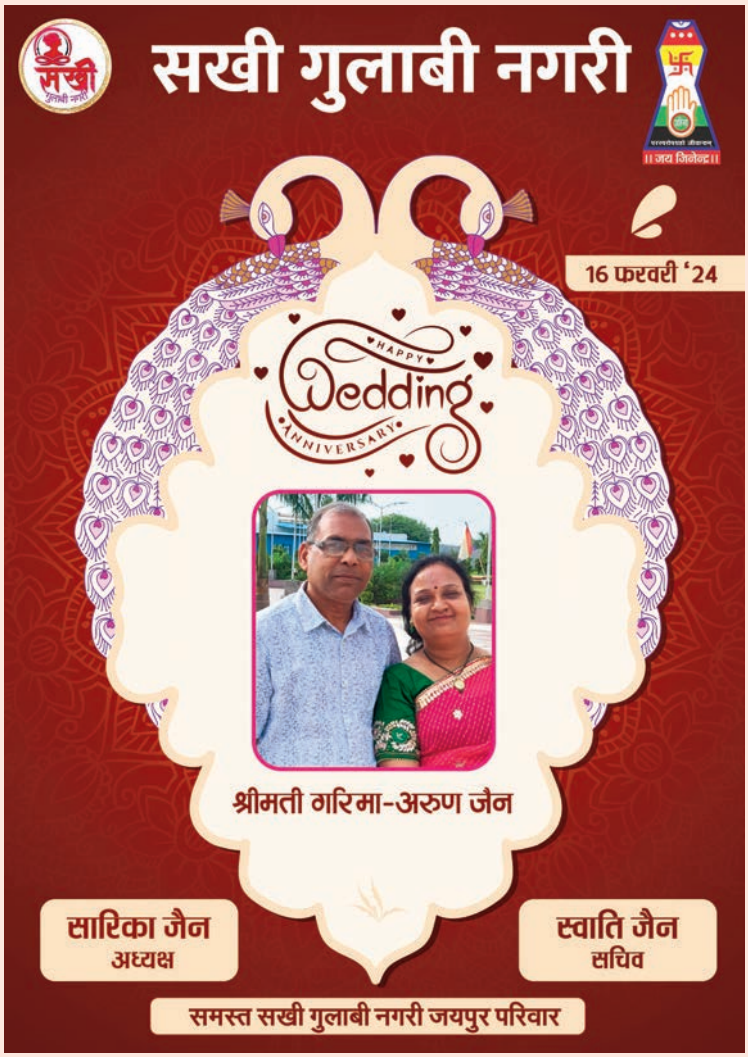

बड़वानी निमाड़ का सम्मेद शिखर जी : मुनि श्री अर्पित सागर जी

मुनि अर्पित सागर जी और अपूर्व सागर जी का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

बड़वानी(निप्र)। बड़वानी निमाड़ का तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी है उपरोक्त उदगार चारित्र चक्रवर्ती परमपूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी की अक्षुण्ण मूल परंपरा के पंचम पट्टाधीश वर्धमान सागर जी के सुशिष्य और निमाड़ गौरव अपूर्व सागर जी महाराज ने आज सिद्ध क्षेत्र बावनगजा जी के मंगल प्रवेश के उपरांत विशाल धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहे आगे मुनि श्री ने कहा की

इस क्षेत्र को आचार्य कुंदकुंद स्वामी ने निर्वाण काण्ड की रचना की उसमे उल्लेख किया है ,यह क्षेत्र हमारे अध्ययन करने पर ज्ञात होता है की बावनगजा नही बड़वानी सिद्ध क्षेत्र है वो तो बावनगज की भगवान की मूर्ति की वजह से इसका नाम बावनगजा पड़ गया और बावन गज याने चौरासी फुट ये अति मनोज्ञ प्रतिमा है और भगवान आदिनाथ ने 84 लाख योनि तक रहे थे। इस लिए चौरासी फिट की मूर्ति है ,ये तीर्थ भगवान मुनिसुवत नाथ के समय का है और इस तीर्थ पर इंद्रजीत और कुंभ कर्ण ने कठोर तपस्या कर जैनेश्वरी दीक्षा लेकर और अन्य साढ़े पांच करोड़ मुनियों ने मोक्ष को प्राप्त किया है, यहां की भूमि का कण कण पावन है यहां की भूमि सकारात्मकता और ऊर्जा से परीपूर्ण है,आप यहां आए हो तो हमे निज की परिणीति में जाना है और निज को पहचानना है और शाश्वत सुख को प्राप्त करना है और अपनी शक्ति को पहचानना है ।यहां आकर सिद्धों के स्वरूप को पहचानो और सोचे की मेरे अंदर भी वो ही शक्ति है आगे कहा की यदि राग करना है तो धर्म का करो,धर्म के बिना आपका कोई साथी नही है,चिंता करना है तो शास्त्र की करो,व्यसन करना है तो दान का व्यसन करो,त्याग करना है तो इंद्रियों के विषय का त्याग करो।

बसंत पंचमी महोत्सव मनायाः पीले रंग के फूलों से मां सरस्वती की पूजा की

टोंक. शाबाश इंडिया। कनक श्री महिला मंडल एवं आदिनाथ शुभकामना परिवार पुरानी टोंक द्वारा गुरुवार को अनोपडा भवन पुरानी टोंक मे बसंत पंचमी महोत्सव मनाया गया । आयोजक अनीता अनोपडा ने बताया कि कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं स्वस्ति भूषण माताजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। रिंकू कम्मो संतोष पूनम मंजू आदि महिलाओं ने पीले रंग के फूल मां सरस्वती एवं स्वस्ति भूषण माताजी के चरणों में अर्पित करते हुए पूजा की। ग्यारह दीपक जलाकर विश्व मे खुशहाली समृद्धि एवं शांति के लिए मंगल कामना की अंजली अनोपडा ने बताया कि बसंत पंचमी के पावन अवसर पर ईशा जैन को देवी सरस्वती के रूप में झांकी बनाकर सजाया गया। उषा मधु अनीता बीना मंजू आदि ने फाल्गुन के मंगल गीत एवं भजन गाते हुए भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया बसंत पंचमी महोत्सव के अवसर पर घी के दीपक जलाकर आरती की गई इस अवसर पर पूनम रिंकू अनीता ईशा कम्मो उषा संतोष मधु बीना मंजू निशा आदि मौजूद थी। पूनम अनोपडा ने बसंत पंचमी महोत्सव पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बसंत पंचमी से बसंत ऋतु का आगमन होता है जो की सभी ऋतुओं का राजा है बसंत पंचमी के 40 दिन बाद होली का पर्व मनाया जाता है इसलिए बसंत पंचमी से होली के त्यौहार की शुरूआत मानी जाती है मान्यता है कि बसंत पंचमी को देवी सरस्वती का जन्म हुआ इसलिए इसे सरस्वती पूजा के रूप में भी जाना जाता है इस दिन लोग व्रत रखते हैं और बड़ी श्रद्धा के साथ देवी सरस्वती की पूजा अर्चना करते हैं पौराणिक कथाओं के अनुसार बसंत पंचमी भगवान कृष्ण और राधा के बीच दिव्य प्रेम को भी दर्शाती है पौराणिक कथाओं के अनुसार मान्यता है कि भगवान कृष्ण ने ज्ञान और बुद्धि प्राप्त करने के लिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा की थी।

वेद ज्ञान

ईश्वर प्राप्ति के लिए ईश्वर का चिंतन करना चाहिए

प्रायः हम कहते हैं कि हमें ईश्वर प्राप्ति के लिए ईश्वर का चिंतन करना चाहिए। इस संदर्भ में सवाल यह उठता है कि हम उसका चिंतन कर भी कैसे सकते हैं, जिसके बारे में हमारा कोई अनुभव नहीं। वहीं जो लोग ईश्वर को जानने का दावा करते हैं, वे सब सुनी-सुनाई बातें हैं, जिसे हम अपना ईश्वरीय ज्ञान मान लेते हैं, जो सरासर मूर्खता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं। मन ही सर्वाधिक तीव्रगामी है। विचार ही मन की शक्ति है, किंतु जहां मन की सीमा समाप्त होती है, वहां से परमात्मा की सीमा शुरू होती है, किंतु इसका आशय यह नहीं कि यहां क्षेत्र बंटे हुए हैं। इसका आशय मात्र इतना है कि जब मन यानी विचार थककर गिर जाते हैं, तब उस परमात्मा की अनुभूति होती है। विचार रूपी धूल झड़ गई, मन रूपी आईना स्वच्छ हो गया, तब हम उसे देख सकते हैं, जो सब में निहित है। विचारों की शक्ति कुल मिलाकर उस अंधे की लाठी के समान है, जिसके द्वारा हम सागर की थाह पाने की चेष्टा करते हैं, जो अंततः हमें तनावग्रस्त बना देते हैं। उपनिषदों में कहा गया है कि ईश्वर ने संपूर्ण सृष्टि की रचना की, सारी कर्मेंद्रियों का रुख बाहर की ओर रखा और स्वयं हमारे भीतर हमारी हृदय गुहा में छिप गया। अब चूंकि हमारी समस्त कर्मेंद्रियों के द्वार बाहर की ओर खुलते हैं और हमारी सारी उपलब्धियां बाहर प्राप्त होती हैं। इसलिए हम ईश्वर को भी बाहर पाना चाहते हैं। इस प्रकार ईश्वर की ओर हमारी पीठ हो जाया करती है और हम अपने भीतर दौड़कर उसे बाहर सब जगह तलाश करते हैं। इसी खोज में उससे दूर होते चले जाते हैं। शायद हमें यह ख्याल नहीं कि जो चीज हमारे जितना निकट होती है, उसके होने का आभास उतना ही क्षीण होता है। और उसका पता हमें तब चलता है, जब वह चीज हमसे दूर हो जाती है। हमने परमात्मा को स्वयं के भीतर होने का बोध खो दिया है। काश! हमने कभी परमात्मा को खोया होता तो कोई भी उसे खोज कर हमें दे देता, किंतु जब हमने उसे खोया ही नहीं तो उसे हमें कोई दे भी कैसे सकता है। उसकी खोज अंतस चेतना में ही करनी होगी। इस संदर्भ में यह बात भी याद रखें कि परमात्मा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रबल रचनात्मक शक्ति है, जो अदृश्य है। इस अदृश्य शक्ति को ध्यान के जरिये निर्विचार होकर हम अपनी अंतस चेतना में अनुभव कर सकते हैं।

संपादकीय

महामारी के विरुद्ध नए कानून की जरूरत

इसमें कोई दोराय नहीं कि जब दुनिया भर में कोरोना विषाणु से उपजी महामारी की चुनौती खड़ी हुई थी तब देश में इसका सामना करने के लिए सरकार ने यथासंभव प्रयास किए। मगर उस दौरान कानूनी तौर पर कुछ सीमाएं भी उजागर हुईं, जिसकी वजह से हालात का सामना करने में कुछ अड़चनें पेश आईं। हालांकि सरकार ने जरूरत के मुताबिक कुछ नए कानूनी उपाय भी किए, मगर भविष्य में वैसी स्थिति से निपटने के लिए और बेहतर व्यवस्था की जरूरत पड़ सकती है। शायद यही वजह है कि विधि आयोग ने महामारी रोग अधिनियम में कुछ ''अहम खामियों'' को चिह्नित करते हुए सरकार से सिफारिश की है कि या तो मौजूदा कमियों को दूर करने के लिए कानून में संशोधन किया जाए या फिर भविष्य की महामारियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक व्यापक कानून लाया जाए। हालांकि आयोग का मानना है कि महामारी के दौरान सरकार तेजी से बदलते हालात में तुरंत काम कर रही थी, मगर यह महसूस किया गया कि कुछ नए कानूनों के जरिए संकट से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता था। यों जब वैश्विक स्तर पर कोरोना को महामारी घोषित किया गया था, तब उसके विषाणु के संक्रमण के प्रसार को रोकने के मकसद से समूचे देश में ह्यसामाजिक दूरीह्ण बनाए रखने से लेकर मास्क लगाने जैसे नियम लागू किए

गए थे। संक्रमण का जोर ज्यादा होने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत पूर्णबंदी भी लगाई गई थी। मगर इस दौरान अपनाए गए उपायों और शब्दावली की परिभाषा स्पष्ट नहीं थी। उसी उथल-पुथल भरे दौर में खासतौर पर स्वास्थ्यकर्मियों के सामने आने वाली चुनौतियों के मद्देनजर सन 2020 में महामारी रोग अधिनियम, 1897 में संशोधन किया गया था। मगर वे संशोधन कम पड़ गए और कई कमियां कायम रहीं। पिछले कुछ समय से दुनिया भर में भविष्य में आने वाली महामारियों को लेकर जिस स्तर की चिंता जाहिर की जा रही है, उसमें वैसे हालात से निपटने के लिए पूर्व तैयारी वक्त का तकाजा है। इस संदर्भ में वैश्विक स्तर पर होने वाली पहलकदमियों में सहभागिता करते हुए देश और आम नागरिकों के अधिकारों का भी ध्यान रखने की जरूरत है।

परिदृश्य

किसान आंदोलन

एमएसपी पर कानून की मांग को लेकर केंद्र और किसान संगठनों के बीच टकराव की स्थिति के मद्देनजर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने उचित ही कहा है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखी जाए और बल का इस्तेमाल आखिरी उपाय के तौर पर ही हो। निस्संदेह, देश के अन्नदाताओं के विरुद्ध बल प्रयोग किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का अभीष्ट नहीं हो सकता, न होना चाहिए, मगर उसके ऊपर यह जिम्मेदारी भी आयद है कि वह ऐसी किसी अराजकता या अव्यवस्था की मूकदर्शक बनी नहीं रह सकती, जो व्यापक नागरिक समाज की जिंदगी को परेशानी में डालती हो। 12 फरवरी की रात केंद्र सरकार व किसान संगठनों के प्रतिनिधियों की बातचीत के विफल रहने के बाद यह अंदेशा था कि 13 को प्रदर्शनकारी किसान दिल्ली में घुसने की कोशिश करेंगे और मंगलवार को शंभू बॉर्डर पर जो परिस्थिति पैदा हुई, उसने इसे सही साबित किया। दिल्ली के सिंधु, टिकरी और गाजीपुर बॉर्डर पर भी सुरक्षा के भारी इंतजाम के कारण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आवागमन पर काफी असर पड़ा है। सर्विस लेन के बंद होने से इन क्षेत्रों में जाम की स्थिति बन गई है और लोगों को काफी दूर-दूर तक पैदल चलना पड़ रहा है। साल 2020 में जब तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध पहली बार किसान दिल्ली के बॉर्डर पर धरना देने बैठ गए थे, तब भी स्थानीय लोगों को काफी परेशानी हुई थी, मगर उस अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण धरने को आम लोगों की सहानुभूति हासिल थी, क्योंकि देश का एक बड़ा जन- समुदाय खेती-किसानी से जुड़ा है, या जो लोग कृषि कर्म से अलग होकर शहरों महानगरों में आ बसे हैं, उनकी पुरानी पीढ़ियों में अब भी इस वर्ग के प्रति गहरी हमदर्दी कायम है। मगर 26 जनवरी, 2021 को लाल किले में जैसी अशोभनीय घटना घटी, उसने उस आंदोलन के प्रति आम लोगों का नजरिया बदल दिया था। हालांकि, किसानों और नागरिक भावनाओं का सम्मान करते हुए बाद में सरकार ने उन तीनों कानूनों को वापस ले लिया था और तब केंद्र व किसानों के बीच विश्वास बहाली का आधार बना था। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि जब-जब चुनाव करीब आते हैं, तब सरकार से सहूलियत चाहने वाले वर्ग और कर्मचारी संगठन आंदोलनों का सहारा लेते हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, यदि वे संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ-साथ अपने नागरिक कर्तव्यों का भी निबाह कर रहे हों, मगर सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने और विधि- व्यवस्था को बाधित करने की किसी भी कार्रवाई की कतई हिमायत नहीं की जा सकती। प्रदर्शनकारी किसानों को नहीं भूलना चाहिए कि आम नागरिकों को परेशानी में डालकर वे न तो अपने आंदोलन को नैतिक धार दे सकते हैं और न ही इसके लिए व्यापक समर्थन जुटा सकते हैं। निस्संदेह, सरकार के आगे गंभीर चुनौती है। इस चुनावी समय में वह विशाल किसान समुदाय को नाराज करने का जोखिम नहीं उठा सकती, तब तो और, जब उसकी मुख्य प्रतिपक्षी पार्टी कांग्रेस ने अपनी सरकार बनने की सूरत में स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, एमएसपी कानून की गारंटी देने का दांव चल दिया है। मुश्किल यह है कि सरकार के पास बहुत वक्त भी नहीं है। उसे प्रतीकों की सियासत से बढ़कर किसानों को आश्वस्त करना ही होगा, क्योंकि अभी पश्चिमी उत्तर प्रदेश शांत है, अगर वहां के किसानों ने कूच किया, तो इस आंदोलन को शांत करना और दुरूह हो जाएगा।

नेमीसागर दिगंबर जैन मन्दिर का वार्षिकोत्सव संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेमीसागर कालोनी स्थित श्री 1008 नेमीनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर का वार्षिकोत्सव आज बसंत पंचमी को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि इस अवसर पर राकेश सुनीता पहाड़ियां परिवार द्वारा झंडारोहण कर समारोह की शुरूआत की गई। हंसराज गंगवाल एवं परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन एवं महावीर मंजू भानगड़िया परिवार द्वारा मिष्टान्न वितरण किया गया। वार्षिकोत्सव के इस अवसर पर डी सी जैन एवं परिवार द्वारा संगीतमय मण्डल विधान कराया गया, जिसके विधानाचार्य पंडित सतीश जैन एवं संगीतकार आदि जैन थे। उपाध्यक्ष अनिल जैन द्वारा आगंतुकों का स्वागत एवं मंत्री प्रदीप निगोतिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इससे पूर्व प्रातःकाल में भगवान का पंचामृत अभिषेक एवं शांति धारा कर के विश्व शांति एवं सभी प्राणियों के कल्याण की, तथा देश की समृद्धि की मंगल कामना की गई। उल्लेखनीय है कि नेमीसागर कालोनी स्थित इस जैन मन्दिर में नेमीनाथ भगवान की काले पाषाण की मनोहारी प्रतिमा विराजित है एवं प्रतिदिन

महावीर प्लेसमेंट ड्राइव 2024 में 20 से अधिक कंपनियां लेगी हिस्सा

जयपुर। 17 फरवरी 2024 शनिवार को श्री महावीर कॉलेज परिसर में महावीर प्लेसमेंट ड्राइव 2024 का आयोजन किया जाएगा। जिसमे उम्मीदवारों एवं कंपनियों से रजिस्ट्रेशन शुल्क नहीं लिया जाएगा। कॉलेज प्राचार्य डॉ आशीष गुप्ता ने बताया कि इस बार ड्राइव में 20 से अधिक कंपनियों के शामिल होने की संभावना है।इससे छात्रों को नौकरी के बेहतर अवसर मिलेंगे व इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा। Swatantra Micro Finance, Teleperformance, Fincare Small Finance Bank, IBWC, ICICI Academy for skill, Wonder Home Finance, Mahindra Holidays and Resorts, Core Financial Services, ARL Infotech आदि कंपनियां मार्केटिंग एचआर ऑपरेशंस, फाइनेंस, बीपीओ, आईटी सेक्टर सेल्स मेनेजर कस्टमर रिलेशन ऑफिसर आदि पदो के लिए ऑफर लाएंगी। कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों का चयन ग्रुप डिस्कशन व साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। इस प्लेसमेंट डाइव में राजस्थान के विभिन्न कॉलेजों से लगभग 400 से अधिक अभ्यर्थी भाग लेंगे। **-डा. आशीष गुप्ता**

भारतीय सिनेमा के पितामह-दादा साहब फाल्के

पुण्यतिथि पर विशेष

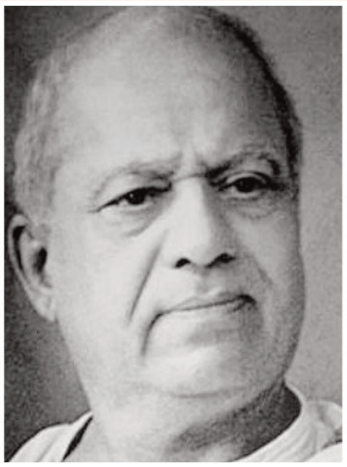

उदयपुर। मूक फिल्मों के दौर में, एक फिल्मों का शौकीन आदमी, ईसा मसीह की जिंदगी पर आधारित फिल्म 'लाइफ ऑफ क्राइस्ट' देख रहा था। फिल्म देखते-देखते अचानक उसके मन में ख़्याल आया कि क्यों न इसी तरह हिन्दु देवी-देवताओं और महापुरूषों के जीवन पर भी फिल्में बनाईं जाएं। बस फिर क्या था, दिल में ये ख़्याल आते ही ये जनाब लग गए अपने ख़्याल को हकीकत का जामा पहनाने में। लेकिन ये इतना आसान न था। क्योंकि इनको फिल्म निर्माण का कोई ज्ञान नहीं था और जिनको ज्ञान था, वे लोग इनकी पहुंच से बाहर थे। आखिरकार भारत से शुरू हुई ये तलाश लंदन जाकर पूरी हुई और मुलाकात हुई जाने-माने निर्माता और 'बाईस्कोप' पत्रिका के सम्पादक सेसिल हेपवोर्थ से। जिनसे फिल्म निर्माण की बारीकियाँ सीख कर इन्होंने भारत की पहली फीचर फिल्म 'राजा हरिशचन्द्र' बनाई और बन गए देश के पहले निर्माता-निर्देशक- दादा साहब फाल्के। 30 अप्रैल, 1870 को नासिक के निकट त्र्यंबकेश्वर में जन्में धुन्डीराज गोविंद फाल्के का दादा साहब फाल्के बनने का सफर इतना आसान नहीं था। लंदन जाकर ट्रेनिंग ली, बड़ी मुश्किल से कैमरा खरीदा और इसके बाद फिल्म बनाने के जुनून में इतना ज्यादा काम कर लिया कि बीमार पड़ गए। जब ठीक हुए और पहली फिल्म पर काम शुरू करने की सोची तो धन की कमी आड़े आ गई। ऐसे में इनकी धर्मपत्नी सरस्वतीबाई फाल्के ने अपने सारे जेवर बेच दिए और जब दादा साहब फाल्के उन्हें टोका तो बोलीं- मेरे असली जेवर तो आप हैं। लेकिन इम्तिहान अभी और बाकि थे, धन की कमी दूर हुई तो हिरोइन की समस्या सामने आकर खड़ी हो गई। क्योंकि उस दौर में सिनेमा को इतना सम्मान प्राप्त न था और महिलाओं के लिए अभिनय करना तो दूर सिनेमा की बात करना भी वर्जित था। तो साहब भारतीय सिनेमा के पितामह दादा साहब फाल्के के लिए अपनी पहली ही फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' में तारामती की भूमिका के लिए हिरोइन की तलाश गंभीर समस्या बन गई। उन्होंने नाटक मंडली से जुड़ी अभिनेत्रियों से बात की, कोई कैमरे के सामने आने को तैयार ही नहीं हुई। उन्होंने इश्तहार बंटवाए, लेकिन फायदा नहीं हुआ। यहां तक कि फाल्के साहब कोठे वालियों तक के पास ये प्रस्ताव लेकर पहुंचे। लेकिन वहां भी उनको निराशा ही हाथ लगी। फिर एक दिन एक रेस्तरां में खाना खाते हुए उनकी नजर एक रसोइए पर पड़ी। दादा ने उन भाई साहब के समक्ष अपना प्रस्ताव रखा और किसी तरह उन्हें फिल्म में तारामती की भूमिका के लिए राजी कर लिया। मगर बहुत दिनों तक रिहर्सल करने के बाद जब शूटिंग का वक्त आया और दादा ने रसोइये से कहा कि भई! कल से शूटिंग करेंगे, तुम अपनी मूंछें साफ कराके आना। तो वो जनाब इस पर अड़ गए कि मूंछें तो मर्द की शान होती हैं, मैं इन्हें नहीं काट सकता। बहरहाल बड़ी मशक्कत के बाद सालुंके नाम का वो रसोइया मूंछ मुंडाने पर राजी और तब कहीं जाकर फाल्के फिल्मके बैनर तले बन पाई, भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चन्द्र। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपने 20 वर्षों कार्यकाल में उन्होंने मोहिनी भस्मासुर, सावित्री सत्यवान, लंका दहन, श्री कृष्ण जन्म, कालिया मर्दन, कंस वध, शकुंतला और संत तुकाराम जैसी 95 फिल्में और 26 लघु फिल्में बनाई। दादा साहब फाल्के के फिल्म निर्माण की खास बात यह है कि उन्होंने अपनी फिल्में मुम्बई की बजाय नासिक में बनाई। उनकी याद में दिया जाने वाला दादा साहब फाल्के पुरस्कार सिनेमा की दुनिया में सर्वोच्च सिने पुरस्कार है, आज उनकी पुण्यतिथि पर सिनेमा के पितामह को सिनेप्रेमियों की ओर से सादर श्रद्धांजलि।

ओमपाल सीलन,
फिल्म समीक्षक एवं लेखक,
वीआईएफटी, उदयपुर

वाणी को रखो मधुरता से भरा : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज) के तत्वावधान में भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का दीक्षा दिवस महोत्सव संबंधित समिति के द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा बनायी गयी। प्रातःकालीन अभिषेक, शांतिधारा करने का सौभाग्य पारस चैनपुरा, गणेश बोहरा बड़ानयागांव, शैलेन्द्र संघी निवाई वालों ने प्राप्त किया। गुरूभक्त सुबोध पाटनी ट्रांसपोर्ट कोटा वालों ने गुरूमाँ का मंगल आशीष प्राप्त किया। सकल दिगम्बर जैन समाज मालवीय नगर जयपुर के भक्तों ने हर्षोल्लास पूर्वक गुरुमाँ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। गुरुभक्तों को दया धर्म का सदुपदेश देते हुए कहा कि -जमीन अच्छी हो, खाद अच्छी हैं, परन्तु पानी अगर खारा है तो फूल कभी खिलते नहीं। भाव अच्छे हो, कर्म अच्छे हो, मगर वाणी खराब हो तो संबंध कभी टिकते नहीं। जिस घर में व्यवहार और संबंध खराब होने लगते है उनके आंगन में दीवारे उगने लगती है। प्रेम के बंधन से बंधा व्यक्ति ही संसार में संबंधों को निभाकर चल सकता है। ईर्ष्या, मान, क्रोध, लालच के बंधन से बंधा हुआ नहीं।

पथरिया में पंचकल्याणक कल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न

पथरिया, दमोह । बुंदेलखंड में विरागोदय तीर्थ पथरिया जिला दमोह में पंचकल्याणक कल्याण प्रतिष्ठा के तहत जयपुर के गुरु भक्त दीपक जैन पहाड़िया को चित्र अनावरण दीप प्रज्वलन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पंच कल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति जयपुर ने पधारे हुए भक्तों का स्वागत अभिनंदन किया। महोत्सव का समापन 15फरवरी2024को मोक्ष कल्याणक गजरथ फेरी शोभायात्रा के साथ सानद संपन्न हुआ। ये विरागोदय तीर्थ के इतिहास में साल भर में दूसरा पंचकल्याणक हैं। दमोह जिले के पथरिया जैन समाज का ही नही अपितु सम्पूर्ण भारत वर्ष की जैन जेनत्तर समाज का आलोकित विश्व भर की समाज का तीर्थ रहा हैं। इस तीर्थ के प्रेरणा स्त्रोत सानिध्य गणचार्य विराग सागर भगवन सहित 70 पिच्छिका का सानिध्य में ये आयोजन संपन्न हुआ। प्रतिष्ठित प्रतिमाओं को वेदियों मे विराजमान किया गया, कलशा रोहन के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

कुंजवन में हुआ आयोजित स्वर्णिम स्टार्टअप एंड इनोवेशन विश्व विद्यालय का विशेष दीक्षांत समारोह

कुंजवन. शाबाश इंडिया

वसंत पंचमी के पावन अवसर पर भारतवर्ष के प्रमुख दिगंबर जैन संत अंतर्मना आचार्यश्री प्रसन्नसागर जी महाराज को डॉक्टर ऑफ लिट्रेचर की मानद उपाधि से आयोजित विशेष दीक्षांत समारोह में विभूषित किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से इसके कुलाधिपति एवं अध्यक्ष श्री ऋषभ जैन ने अन्य अधिकारियों के साथ अंतर्मना अचार्यश्री को उपाधि प्रदान की। विश्विद्यालय द्वारा प्रदान किए गए प्रशस्ति पत्र में अचारत्श्री की 557 दिनों की दीर्घ सिंहनिष्क्रीडित व्रत की उत्कृष्ट साधना एवं अन्य साधना प्रयोगों का उल्लेख किया गया है। समारोह को अचार्यश्री के अतिरिक्त उपाध्यश्री पीयूष सागर जी एवं मुनि सहजसागर जी ने भी संबोधित किया। समारोह का प्रारंभ अकादमिक शोभायात्रा से किया गया। **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

श्री मनोज - श्रीमती पूजा गुप्ता

मिर्जापुर,उत्तर प्रदेश को

वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं एवम बधाई

शुभेच्छु: समस्त मित्रगण एवम परिवार जन

श्री संजय-श्रीमती ज्योति छाबड़ा

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

16 फरवरी' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

"इंटरनेट चैट साइट पर सतर्कता जरूरी"

शाबाश इंडिया

सूचना और संचार क्रांति से जब जीवन का हर कोना प्रभावित हो रहा है तो भला फिर रोमांस और डेटिंग की दुनियाँ कैसे इससे अछूती रह सकती है। प्रत्यक्ष दोस्ती से सही पहचान छुपा कर की गई दोस्ती अपेक्षाकृत आसान होती है। इसमें व्यक्ति की पहचान उसके चेहरे, वास्तविक नाम और जाति से नहीं होती है। इंटरनेट की चैट साइट (बातचीत का ऑनलाइन माध्यम) ऐसे लोगों के लिए मिलने जुलने, दोस्ती करने, वातार्लाप करने, रोमांस या डेटिंग का बेहतरीन जरिया होती है जो बेहद शर्मीले लेकिन कष्टकारी, अकेलेपन से ग्रस्त होते हैं या फिर जो घर से बहुत कम बाहर निकलते हैं। यह वही मिलन स्थल है जहां पहुंचकर एक बहुत ही शर्मीला एकांतप्रिय व्यक्ति पाटीर्बाजी का आशिक बन जाता है। मिलनसार नए दोस्तों की खुशियों के लिए तो ये चैट साइट खुला मैदान ही साबित होती है। वर्ल्ड वाइड वेब साईटों पर आप एक साथ कई काम कर सकते हैं। इन साइटों पर चैटिंग, फ्लर्टिंग, डेटिंग, मानमनुहार मित्रता, पुराने बिछड़े दोस्तों से मेल मिलाप ही नहीं शादियाँ भी कर सकते हैं। इन साइट पर आप लोगों से इस बात की परवाह के बिना मिल सकते

हैं कि आपकी और उनकी हैसियत, प्रतिष्ठा, आर्थिक स्थिति में तालमेल है कि नहीं। इन साईटों के जरिए केशों में शैंपू, कंघी किए बगैर डेटिंग पर जा सकते हैं। ज्यादा पैसे भी खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती है। इंटरनेट डेटिंग रोमांस का लाभ उठाने के लिए कई सावधानियां जरूरी ही नहीं अनिवार्य होती है। गौरतलब है कि यहां भी फर्स्ट इंप्रेशन इस लास्ट इंप्रेशन का फार्मूला काम करता है क्योंकि यदि किसी इंटरनेट फ्रेंड पर आप प्रभाव नहीं छोड़ पाए तो फिर वह आपसी संबंध तोड़ लेने में जरा भी देरी नहीं करता। एक दूसरे को प्रभावित करने के लिए चंद सेकंडो का ही अवसर मिलता है। शब्दों का जादू चलाना पड़ता है अगर सफल रहे तो इंटरनेट डेटिंग का आनंद प्रत्यक्ष डेटिंग से किसी मायने में कम नहीं होता है। इंटरनेट की दुनियाँ में हर कोई हड़बड़ी में होता है। चंद लम्हों में किसी के दिल को भा जाए तब तो ठीक वरना किसी के पास आपका इंतजार करने के लिए वक्त नहीं है। यहां प्रेम और दोस्ती का निर्णय चंद सेकंडो में करना पड़ता है।

महत्वपूर्ण सुझाव

साइट पर किसी भी संभावित मित्र या डेटिंग पार्टनर की प्रोफाइल को देखें। अगर उसमें रुचि नहीं है तो फिर आगे बढ़े समय नष्ट न करें और रुचि हो तो तत्काल संपर्क करें, बधाई भेजें। चैटिंगरूम या ऑनलाइन पत्र व्यवहार के

दौरान किसी अभद्र संवाद से बचना चाहती हैं तो अश्लील उपनाम या पहचान कभी ना दें। जैसे महिमा जान, क्रेजीगर्ल आदि। ऐसी पहचान या नाम चिपनेस या फूड़नपन अथवा लफंगेपन का संकेत देते हैं। याद रहे कि अश्लील नाम आपको आकर्षण का केंद्र जरूर बनाता है मगर गलत सेंस में। यही नहीं इससे आप अपने तक को गलत ढंग से पेश करती हैं यानी आप जिस तरह से लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहती हैं उसी तरह की पहचान दें। प्रोफाइल बनाने में यह सावधानी बरते कि वह सच्ची हो, नाम ऐसा हो कि जिससे सदाबहार व्यक्तित्व का एहसास हो। ईमेल असली हो, जिस का आप नियमित प्रयोग कर रहे हो। दोस्ती की एक मजबूत आधारशिला रखें। इससे प्रत्यक्ष रूप से डेटिंग का मौका हाथ लग सकता है। इंटरनेट दोस्ती, मुलाकात के माध्यम से जब सचमुच की दुनियाँ में मिले तो पहले की गई खास बातों का ध्यान रखें और सौम्यता कायम रखें। आप जो है वही दिखे और यदि ईमानदारी बरत रही है तो फिर छिपाने की कोई आवश्यकता नहीं है। जब छिपाना नहीं है तो फिर आप सहज होकर मिले। दूसरों की उपस्थिति में सहज रहने वाला व्यक्ति दोस्ती को काफी आगे तक ले जा सकता है। जब लगे कि दोस्त झूठ बोलने लगा है तो फिर उसे साइड कर आगे बढ़े। उसे दूसरा मौका देने की कोशिश ना करें क्योंकि वह ईमानदारी में विश्वास नहीं करता। ऐसा कोई ठोस नियम कायदा नहीं है जिससे यह मालूम किया जा सके कि कोई कितना सच बोल रहा है। इसलिए ऐसे मामले में या डेटिंग की राह पर निकलने में जल्दबाजी न करें। वास्तविक और साइबर दोनों में ही डेटिंग कॉम्पिटेटिव हो गई है।

शुरूआत कुछ इस तरह करें

सबसे पहले अपना परिचय दें। उसे समझने का मौका दें कि आप उससे संपर्क क्यों कर रही हैं। ईमानदारी बरते, चोंचलेबाजी से बचे। बोर करने वाली, उबाऊ बातों से परहेज करें। अपनी रुचि दशार्ते हुए उससे कुछ सवाल भी करें जो उबताऊ ना होकर उत्सुकता जगाने वाले और प्रेरित करने वाले हो। हासपरिहास भी करें। अपने बारे में उतना ही बताएं जितना पूछा जाए। गिलेशिकवे करने से बचे। आपकी व्यावहारिक कुशलता पसंदीदा दोस्त व अच्छे इंसान की तलाश में बहुत मददगार साबित हो सकती है।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बिजराकापा नवीन में बसंत उत्सव मनाया गया

मुंगेली, छत्तीसगढ़. शाबाश इंडिया

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बिजराकापा नवीन, विकासखंड लोरमी, जिला मुंगेली, छत्तीसगढ़ में दिनांक 14 फरवरी 2024 को बसंत उत्सव, सरस्वती पूजा, मातृ-पितृ दिवस और वैलेंटाइन डे उत्सव मनाया गया। सर्वप्रथम शिक्षकों और विद्यार्थियों के द्वारा विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा पर अगरबत्ती जलाकर पुष्प, पुष्पहार, और श्रीफल अर्पित कर पूजा-अर्चना की गई। सरस्वती वंदना शिक्षक मेलूराम साहू ने प्रस्तुत किये। मंच संचालन का कार्य शिक्षक अशोक कुमार यादव ने किया। प्रधान पाठक पवन बंजारे ने बसंत उत्सव को छोटी होली कहकर उद्बोधन दिए। शिक्षक दिगेश्वर सिंह बघेल ने माता सरस्वती की गुणगान करते हुए सुंदर कविता प्रस्तुत किये। कक्षा छठवीं, सातवीं और आठवीं के विद्यार्थियों ने बारी-बारी से प्रकृति की सुंदरता, अपने माता-पिता की उपकार और अच्छाई और माता सरस्वती पर कविता एवं वक्तव्य प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक अशोक कुमार यादव ने सुघ्घर बगरे बसंत हे, मेरी माँ, पिता परमात्मा है और जय सरस्वती माता कविता प्रस्तुत कर आभार प्रकट किये।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विशाल रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

345 युनीट ब्लड एकत्रित किया

सुधीर शर्मा। शाबाश इंडिया

सीकर। जिले के दौलतपुरा के राहुल उर्फ चीकू के पंचम पुण्यतिथि पर उसकी याद में हर साल की भांति इस साल भी स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर श्री कृष्णम होटल दादिया में आयोजित किया गया । राहुल चौधरी चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक ने बताया की इस कैम्प में पांच अस्पताल की टीमों ने भाग लिया। जिसमें श्री कल्याण मेडिकल कॉलेज सीकर ब्लड बैंक, एस एम एस होसपिटल जयपुर, शेखावाटी, जैन, मित्तल अस्पताल की टीम शामिल रही ।345 युनीट ब्लड एकत्रित किया गया।लोगों में रक्तदान के प्रति भारी उत्साह देखा गया। राहुल के पिता अशोक, माता परमेश्वरी देवी ने बताया की हम चाहते हैं रक्तदान शिविर आयोजित करके दुसरे लोगो की जान बचाई जा सकती है और गरीब व्यक्ति को ब्लड प्राप्त करने में परेशानी ना हो । हर कैम्प में हम चाहते हैं हर स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान करे । उन्होंने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।कैम्प में रक्तदान करने आईं अलका चौधरी ने बताया की रक्तदान करने से शरीर में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती वे छ बार रक्तदान कर चुकी हैं उन्होंने बताया की लोग सोचते हैं रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी आती है यह भ्रम है । आयोजन में अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

झंडारोहण से हुआ मानसरोवर में दो दिवसीय वार्षिक उत्सव का आगाज

आज महावीर पूजा विधान का होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर के वार्षिकोत्सव पर दो दिवसीय आयोजन का गुरुवार को आगाज हुआ। इस मौके पर जयकारों के बीच झंडारोहणकर्ता राजेंद्र कुमार- राजकुमारी कासलीवाल झंडारोहण कर विधिवत शुभारंभ किया गया। इस मौके पर अतिथियों का तिलक माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर समिति के पदाधिकारियों ने स्वागत व सम्मान किया। पंडित प्रद्युमन शास्त्री ने मंत्रोचार से कार्यक्रम को विधिवत संपन्न करवाया। इस मौके पर राजेंद्र सोनी, ज्ञान बिलाला , कैलाश सेठी, विनेश सोगानी, मुकेश कासलीवाल, वीरेश जैन टीटी,अनिल दीवान, सुरेश जैन बांदीकुई, अजीत जैन बी ओ बी, निर्मल शाह, संतोष कासलीवाल, सतीश कासलीवाल, हेमेंद्र सेठी, जेके जैन, मानसरोवर महिला मंडल की अध्यक्ष सुशीला टोंग्या, अर्चना सोनी, कनकलता जैन,अंजू बज, नीता जैन, प्रीति सोगानी, आशा सेठी, रजनी लुहाड़िया सहित सैकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित थे।समाज समिति के मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि सायंकालीन कार्यक्रमों की श्रृंखला में संगीतमय आरती, भजन संध्या एवं जैन धार्मिक हाऊजी का आयोजन किया गया।विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। संचालन संगठन मंत्री विनेश सोगानी द्वारा किया गया। विनेश सोगानी ने बताया कि शुक्रवार 16 फरवरी को प्रातः 7:30 बजे मानस्तंभ की प्रतिमाओं का अभिषेक एवं शांति धारा करने के पश्चात भगवान महावीर पूजा विधान का वृहद रुप में आयोजन किया जाएगा। इन्द्र - इन्द्रणियो के 108 जोड़े मण्डल पर अर्घ्य समर्पित करेंगे। महाआरती के बाद समापन होगा ।

जीवन का मूलाधार है प्रेम

यह नहीं है किसी की बपौती, यह शाश्वत सत्य है जीवन का.... यह नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, यह तो जीवन का मूलाधार है..... यह नहीं है किसी की प्रतिस्पर्धा का मूल, यह तो है हम सभी के अस्तित्व का मूल..... असल में यही जीवन का सत्यम शिवम् और सुंदरम भी है.... हर रिश्ते में निहित अनेक नाम... जिनमें स्नेह, ममता, वात्सल्य, भातृत्व, मैत्री, अपनत्व, समर्पण आदि... यही तो प्रेम प्यार के पर्याय हैं, जिनके बिना जीवन का हर सम्बंध है अधूरा...!! **रचियता: प्रो.जयंत शर्मा 'विजय' उदयपुर**

ख्यात चित्रकार ए रामाचंद्रन की अस्थियां मेवाड़ की माटी : नीर में समाहित

उनकी अंतिम इच्छा मुताबिक परिजनों ने रखा कला का मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया। दक्षिण भारत में जन्में और शांतिनिकेतन से कला की शिक्षा में पारंगत ख्यात चित्रकार ए रामाचंद्रन की अंतिम इच्छा मुताबिक मरणोपरांत उनकी अस्थियों को परिजनों ने गुरुवार को एकलिंग जी तालाब (नागदा) में पूरी श्रद्धा और आस्था से प्रवाहित कर दिया। इससे पूर्व बुधवार शाम अंबामाता स्थित टखमण कला दीर्घा पर अस्थि कलश के अंतिम दर्शन के प्रयोजनार्थ उनके परिजन, मित्र और अनेक कलाकार एकत्र हुए, जहां पहले दूरदर्शन द्वारा तैयार एक वृत्तचित्र प्रस्तुति और बाद में उपस्थित जनसमूह ने पुष्पांजलि कर महान सृजनकार को नम आंखों से भावपूर्ण विदाई दी। इस दौरान वरिष्ठ कलाकार सुरेश शर्मा, एल एल वर्मा, विद्यासागर उपाध्याय, ललित शर्मा, हर्ष छाजेड़, रघुनाथ शर्मा, मीना बया, हेमंत द्विवेदी, मदनसिंह राठौड़, संदीप पालीवाल, चिमन डांगी, दिनेश उपाध्याय, रामसिंह भाटी, सूरज सोनी, यामिनी शर्मा सहित अन्य कई कलाकार उपस्थित थे। बता दें, पद्म भूषण से सम्मानित स्वर्गीय ए रामाचंद्रन का मेवाड़ धरा से विशेष लगाव रहा था। पूर्व में कई कई मर्तबा वे यहां आकर रेखाचित्रों, म्यूरल्स आदि से कला साधना किया करते रहे। गौरतलब है कि आजादी के बाद साठ के दशक में सृजित अनेक कलाकृतियों को देश दुनिया में खासी सराहना मिली। उनके असंख्य शिष्य और कलानुरागी रामाचंद्रन को बेहद अनुशासित और कड़क गुरु के रूप में याद करते अक्सर कहा करते हैं कि असल में एक सच्चे कलाकार की साधना और अपने शिक्षार्थियों के प्रति समर्पण का असीम भाव इसी प्रकार ताउम्र बना रहा। .... गुरुवार सुबह जब इस महान सृजनकार की अस्थियों को मेवाड़ धरा के विविध क्षेत्रों ...नागदा, उबेश्वर और एकलिंग जी तालाब के बहते जल में प्रवाहित कराया तो एकबारगी लगा जैसे समूची सृष्टि कला नाद से गुंजायमान हो उठी है।

पंचकल्याणक महोत्सव के अंतर्गत मोक्ष कल्याणक की क्रियाओं के साथ महोत्सव का हुआ समापन

विश्व शांति महायज्ञ हुआ, पाषाण से भगवान बनी प्रतिमाओं को नवीन वेदी पर विराजमान किया गया, विशाल रथयात्रा निकाली गई

ऋषभदेव, उदयपुर. शाबाश इंडिया

बुधवार को दिगंबर जैन धर्मावलंबीयो ने विगत पांच दिनों से चल रहे पंच कल्याणक महा महोत्सव के अंतर्गत मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं संपन्न कर महा अनुष्ठान को संपन्न कर जिनालय में जिन प्रतिमाओ को विराजित किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने कलश धारण कर जिन प्रतिमाओं की रथ यात्रा निकाली। आचार्य श्री वर्धमान सागर महामुनिराज के सानिध्य में एवं प्रतिष्ठाचार्य हसमुख शास्त्री एवं प्रतिष्ठाचार्य सुधीर मार्तण्ड के निर्देशन में नवीन जिनालय के निमित्त पांच दिवसीय पंच कल्याणक महोत्सव का समापन पर श्रद्धालुओ द्वारा अनुष्ठान के साथ यज्ञोपवित संस्कार किए पूरे देश से बड़ी तादात में श्रद्धालु आए। समापन दिवस पर बुधवार प्रातः कालीन बेला में मंगलाप्टक, दिग्बंधन, रक्षामंत्र, शांतिमंत्र, नित्यमह अभिषेक, शान्तिधारा, पूजन कर भगवान आदिनाथ को निर्वाण प्राप्ति (मोक्षगमन) अग्नि कुमार देवो का आगमन, नख केश विसर्जन, सिद्ध गुणारोपण विधि, सिद्धर पूजन, मोक्ष कल्याणक पूजन, विश्व शांति महायज्ञ हुआ श्रद्धालुओ ने भक्तिमय नृत्य कर अपनी आस्था जताई । श्वेत पीले केसरिया, लाल रंग के वस्त्र में प्रभु के जय जयकारों से परिसर गुंजायमान कर दिया। **दोपहर को मांगलिक भवन से श्रीजी की शोभायात्रा निकाली:** नवीन वेरदी पर पाषाण से भगवान बनी जिन प्रतिमाओं को आचार्य संघ की उपस्थिति मे प्रतिष्ठाचार्य सुधीर मार्तण्ड ने विधि विधान से विराजमान करा शिखर पर नवीन ध्वजा धारण करवाई। प्रभु की विशाल रथयात्रा निकाल कर नवीन जिनालय में चौबीसी भगवान के विविध कार्यक्रम हुए। **जीवन में निर्वाण प्राप्त करने का पुरुषार्थ कर मनुष्य जीवन को सार्थक करने का प्रयास करे :** आचार्य श्री इस अवसर पर आयोजित धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा के नाटक की दृश्य को देखकर आप भी जीवन में परिवर्तन लाए। कई बार यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि इतनी पंचकल्याणक प्रतिष्ठा क्यों करी जाती है आज जितने प्राचीन जिनालय हैं प्राचीन प्रतिमा है उनकी भी प्रतिष्ठा पूर्व में लोगों ने की थी तो यह धरोहर हमें आज काम आ रही है और आज जो पंचकल्याणक प्रतिष्ठायें हो रही है वह भविष्य के लिए धरोहर है रहेगी । श्रद्धा, आस्था, विश्वास , विनय और भक्ति से जीवन में

पाप का प्रक्षालन होता है। शास्त्रों में उल्लेख है कि दर्शन करने से, भक्ति करने से भगवान भी बन सकते हैं ।भगवान की भक्ति अंतरंग से श्रद्धा और विनय के साथ करना चाहिए गुरुकुल मंदिर को नवीन रूप देने के बाद प्रतिष्ठा का कार्य पूर्ण हुआ । नागपुर मुंबई और अहमदाबाद अनेक नगरों से आए भक्त तथा ऋषभदेव के भक्त जिनकी भगवान के प्रति आस्था , श्रद्धा , और भक्ति थी ,उनका जीवन मंगलमय होगा । आप समाज जनों ने संग्रहित संचय किये धन को दान देकर उपयोग किया। इस दान का उदारता पूर्वक उपयोग धार्मिक कार्य में किया है जिनालय में आराध्य की आराधना का पूजा अभिषेक का फल सभी को मिलता है। भगवान के जिन बिंब प्रतिमा के दर्शन से सम्यक दर्शन प्राप्त होता है। सम्यक दर्शन के अभाव में प्राणी संसार में परिभ्रमण कई भव से कर रहे हैं। इसलिए श्रद्धा भक्ति से जीवन में निर्वाण प्राप्त करने का पुरुषार्थ कर मनुष्य जीवन को सार्थक करने का प्रयास करे।

मैं एक श्रावक हूं : कटारिया

इस अवसर पर असम के राज्य पाल गुलाब चन्द कटारिया ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप से जो प्राप्त होता है वही आगे भेजते है अगर आप से दुर हो जायेगे तो हमारे संस्कार का क्या होगा। आचार्य श्री को बहुत मिलने का मौका मिला है मैं आपके पास कुछ सिखने आता हूं। हमे जनता राजा कहती है हम राजा नही सेवक है पंच कल्याणक यह सिखाती है। सृष्टी आदिनाथ को मानती है इस सृष्टी को इस रूप मे लाने का काम करती है।

महावीर पब्लिक स्कूल में संपन्न हुआ "आशीर्वचन समारोह"

जयपुर. शाबाश इंडिया

15 फरवरी, गुरुवार को महावीर पब्लिक स्कूल में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों की विदाई हेतु ''आशीर्वचन समारोह'' का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के आरंभ में 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा बोर्ड परीक्षा में उनकी उत्तम सफलता की कामना की। मुख्य अतिथि राजकुमार सेठी, संस्था के अध्यक्ष उमराव मल संघी,उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया,मानद् मंत्री सुनील बख्शी, संयुक्त मंत्री कमल बाबू जैन,कोषाध्यक्ष महेश काला,संयोजक सुदीप ठोलिया, संरक्षक अशोक नेता, पद्मावती स्कूल संरक्षक राजेंद्र बिलाला, संस्था सदस्य प्रमोद पहाड़िया, विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने मां सरस्वती एवं भगवान महावीर के चित्र के समक्ष श्लोको उच्चारण के साथ दीप प्रज्वलित किया। संस्था-सदस्यों ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि (प्रसिद्ध व्यापारी एवं समाज सेवक) राजकुमार सेठी को माला , साफा पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर तथा प्राचार्या ने पुष्पगुच्छ भेंट करके स्वागत किया। प्राचार्या ने विद्यार्थियों को अपने संस्कारों व मानवीयता को न भूलने की शपथ दिलवाई और उन्हें विदाई संदेश दिया। ग्यारहवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने गायन वादन एवं नृत्य द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। मानद् मंत्री सुनील बख्शी ने अपने उद्बोधन में विद्यालय की उपलब्धियों के विषय में चर्चा की एवं 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई देते हुए जीवन में आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिश्रम से पीछे ना हटने का आशीर्वाद दिया। मुख्य अतिथि, संस्था- सदस्यों एवं प्राचार्या द्वारा 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। स्कूल के हेड बॉय अभिनन्दन शर्मा ने विद्यालय परिषद् ,प्राचार्या एवं अध्यापकों को उत्तम संस्कार व शिक्षा देने हेतु धन्यवाद दिया तथा स्कूल से जुड़ी अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। विद्यालय छात्र परिषद् के 12वीं कक्षा के छात्रों द्वारा बहुत ही सुनियोजित ढंग से फ्लैग मार्च किया गया तथा ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों को फ्लैग हस्तांतरित करके विद्यालय परिषद् की जिम्मेदारी उनके हाथों में सौंपी। स्कूल की हेड गर्ल भव्या पटेल द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया। राष्ट्रगान के पश्चात 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भारत के नक्शे की रंगोली को मोमबत्तियां द्वारा प्रकाशित करके संपूर्ण भारत में विद्यालय का नाम रोशन करने का संकल्प लिया।

सुख शांति की कामना के साथ श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ में अग्नि स्थापना

हनुमान टेकरी स्थित काठियाबाबा आश्रम पर रात में रासलीला की मनमोहक प्रस्तुति

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। सर्व सुख, शांति, आरोग्यता की कामना के साथ भीलवाड़ा शहर में छोटी हरणी हनुमान टेकरी स्थित काठिया बाबा आश्रम में पहली बार आयोजित 11 कुण्डीय श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ में दूसरे दिन गुरूवार को अरणी मंथन के तहत अग्नि स्थापना की रस्म पूर्ण हुई ओर यज्ञवेदी में आहुतियों का दौर शुरू हो गया। महायज्ञ के साथ बुधवार रात से श्री राधा रासेश्वरी रासलीला मण्डल श्रीवृन्दावनधाम मथुरा द्वारा भक्तिपूर्ण रासलीला की प्रस्तुति का दौर भी शुरू हो गया। सात दिवसीय महायज्ञ आयोजन के दूसरे दिन सुबह 8 बजे महन्त बनवारी शरण काठियाबाबा के सान्निध्य में यज्ञ मण्डप में यज्ञाचार्य आचार्य श्री मुकेश अवस्थी महाराज श्रीधाम वृन्दावन के निर्देशन में अरणी मंथन के तहत अग्नि स्थापना की गई। अवस्थी ने बताया कि इसके तहत सर्वप्रथम गणपति मण्डल के देवताओं का पूजन एवं वास्तु मण्डल के देवताओं का आह्वन, स्थापना, पूजन कर अरणी मंथन के द्वारा अग्नि का प्रादुर्भाव हुआ। इसके बाद नवग्रह मण्डल के देवताओं का आह्वन, स्थापना,पूजन, प्रधान गौरी सर्वोतभद्र मण्डल के देवताओं का मंत्रों द्वारा आहान, स्थापना, पूजन एवं सुरभि माता (गौमाता) का पूजन व आह्वन किया गया। देवताओं का हवन,अर्चन,आरती कर परिक्रमा करते हुए प्रसाद वितरण कर पावन यज्ञ का विश्राम हुआ। इस यज्ञ के माध्यम से शरीर से रोगों की निवृति होने के साथ पितरों की तृप्ति,व्यापार में वृद्धि आदि फल प्राप्त होते है। दूसरें दिन यज्ञ के मुख्य जजमान तेजसिंह पुरावत एवं प्रशांत सिंघवी थे। मुख्य अतिथि हरणी महादेव के भगवतीलाल महाराज थे। यज्ञ में आहुति देने वाले यजमानों में गजानंद बजाज, रामनारायण बिरला, श्याम जोशी, दिनेश जोशी, सुरेन्द्रसिंह, भंवर प्रजापत, वीके गोयल, सुजीतसिंह, अमरीश सिंह, पप्पू शर्मा आदि शामिल थे।

भगवान देवनारायण के जन्मोत्सव पर निकली विशाल शोभायात्रा

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। भगवान देवनारायण मंदिर परिसर में 2 दिन से चल रहे मेले मे गुरुवार को भगवान देवनारायण की विशाल शोभा यात्रा आयोजित हुई जिसमें के गुर्जर समाज के हजारों लोगों ने रथ यात्रा में हिस्सा लिया। 13 गांव मंदिर कमेटी के अध्यक्ष बहादुर सिंह ने बताया कि भगवान देवनारायण के 1112 वे जन्मोत्सव के मोके पर विशाल शोभायात्रा आयोजित हुई गंभीर नदी के तट पर भगवान देवनारायण का गंभीर के जल से जलाभिषेक किया। शोभायात्रा कस्बे के मुख्य बाजार होती हुई जैन मंदिर के सामने होती हुई अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी जहां जैन मंदिर के प्रबंधक ने आरती कर नारियल भेट कर पूजा विधान से स्वागत किया गया इसके अतिरिक्त मुख्य मार्ग पर जगह-जगह सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने फूल बरसा कर रथयात्रा का स्वागत किया । अंत मे शोभा यात्रा देवनारायण मंदिर परिसर पहुंची जहां धर्म सभा में परिवर्तित हुई । धर्म सभा को संबोधित करते हुए कार्यक्रम कर मुख्यअतिथि रमेश जौनापुरिया, बलराज तंवर सहित अनेक नेताओं ने संबोधित किया जिसमें गुर्जर समाज शिक्षा के क्षेत्र में जागृति के विषय पर जोर देकर समाज में पनप रही कुरीतियों पर रोक लगाने की अपील की धर्म सभा से पूर्व भगवान देवनारायण के रथ के सारथी की बोली लगाई गई जिसमें कादरोली निवासी गजराज सिंह गुर्जर ने रथ का सारथी बनने की बोली 1लाख 11 हजार में हासिल की। भगवान की माला की बोली भालपुर निवासी मुंशी पटेल ने 1लाख11हजार में प्राप्त पर पुण्य लाभ अर्जित किया । इस मौके पर स्थानीय गणमान्य जनप्रतिनिधियों सहित तेरह गांव के पंच पटेल उपस्थित थे ।

वैचारिक क्रांति को लाने की आवश्यकता है आचार की क्रांति तब ही आएगी : मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

कानपुर पहुंच कर अशोक नगर समाज ने किया श्री फल भेंट

कानपुर. शाबाश इंडिया

एक धर्म ऐसा भी है जो लड़ाई का विरोध नहीं करता वो सब घटित होते हुए देखता है। सबसे खतरनाक स्थिति क्या है सामने वाले पर दुःख आने पर आप खुशी माना रहे हैं,आपके दुश्मन पर संकट का पहाड़ टूटा है ये सुनते ही आपके अंदर कैसा भाव आया है और यदि आप को बचाने का भाव आया तो आप सही चल रहें हैं मैं वो कला सीखना चाहता हूं कि तुम धर्म करते हुए धर्मात्मा का अनुभव करें वैचारिक क्रांति लाना है आचार की क्रांति लाना बहुत कठिन है वैचारिक क्रांति लाओ मैं शादी की मनाई नहीं कर रहा वस कंगन वंधन होते समय इतना भाव आयें की वनता वैडी की अनुभूति होना चाहिए पुण्य को तो तीर्थ कर चक्रवर्ती भी भोगते हैं लेकिन वे भोग में लिप्त नहीं होते उक्त आश्य केउद्गार आनंदपुरी में पंच कल्याणक महोत्सव के पूर्व धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्रीसुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए। आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन

किया, इसके पहले धर्म सभा के प्रारंभ में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन अशोक नगर समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, थूवोनजी के मंत्री विनोद मोदी, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, कानपुर के श्रेष्ठी राजेन्द्र कटारिया, संजीव नेता, आमोद जैन, सुनील जैन कानपुर, अशोक नगर उपाध्यक्ष प्रदीप तारई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर संयोजक मनीषसिघई मनोजभैसरवास पवन वर्तन टिंकल जैन विमल जैन हेमंत टडैया लोकेन्द्र अथाइखेडा हेमू जैन सहित अन्य भक्तों ने श्री फल भेंट कर द्रव्य समर्पित की आशीर्वाद प्राप्त किया। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि बहू प्रतिक्षित कानपुर पंच कल्याणक महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ 17फरवरी से होने जा रहा है संत शिरोमणि आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद और परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठा चार्य श्री प्रदीप भइया शुयस के निर्देशन में 17फरवरी को ध्वजारोहण के साथ श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ होगा जिसमें यज्ञा मंडल विधान पात्र शुद्धि अंकन्यास इन्द्र प्रतिष्ठा के नाम नंद्यावर्त विधान के आयोजन साथ गर्भ कल्याण महोत्सव का स्वरूप देखने को मिलेगा।

सुदामा अपने मित्र की खुशी में स्वयं के दुख भूल गए

आज धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि श्री कृष्ण के पैर धोती है और श्री कृष्ण सुदामा के पैर धो रहें हैं क्योंकि की वे अपने मित्र को इतना चाहते थे कि अपनी पत्नी के अच्छी तरह समझने पर भी सुदामा अपने दुःख भूलकर अपने मित्र के सुख में इतना खुश हो गया कि अपने दुख भूल गया और उसी का परिणाम रहा है जव सुदामा अपने घर पहुंचे तो झोपड़ी के स्थान पर महल देखकर देखकर आश्चर्यचकित हो गये।

आज का मंत्र दुख तो है लेकिन दुखी नहीं है

उन्होंने कहा कि आज का मंत्र है दुख तो है लेकिन दुखी नहीं है दुःख आने पर आप दुःखी मत होना और बस इतनी सी प्रार्थना करना कि जो रोग मेरे लिए हुआ.है ये बीमारी संसार में किसी को भी ना हो वस इतनी सी भावना आपको निरन्तर भाना है फिर देखना क्या चमत्कार होता है।

मोती कटरा जैन बड़ा मंदिर से निकाली श्रीजी भव्य पालकी यात्रा

936वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ हुआ आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री चैत्यसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं सकल दिगम्बर जैन समाज मोती कटरा के तत्वावधान में महामस्तकाभिषेक एवं भव्य पालकी यात्रा का आयोजन हुआ। यह आयोजन आगरा के मोती कटरा स्थित श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर के 936वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर बडे.ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। जिसमें भक्तों ने सर्वप्रथम स्वर्ण कलशों से मूलनायक भगवान संभवनाथ की प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा की इसके बाद भक्तों ने मन्दिर परिसर से श्रीजी की प्रतिमा को पालकी में विराजमान कर बैण्ड बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में भक्त नृत्य करते हुए चल रहे थे। श्रीजी की शोभायात्रा मोती कटरा के विभिन्न मार्गो से होते हुए मन्दिर जी पहुंची जहां भक्तों ने अष्ट द्रव्य के साथ संगीतमय श्रीजी का पूजन किया। पूजन में मौजूद सभी भक्तों ने अपने हाथों में चंबर लेकर शशि जैन पाटनी के मधुर भजनों पर नृत्य कियो इस दौरान भक्तों का उत्साह श्रीजी के प्रति देखते ही बना रहा थो इस

अवसर पर मंदिर के मंदिर के अध्यक्ष राकेश जैन पदेर्वाले, अनिल जैन,अंनत जैन,विनोद जैन, मनोज जैन,संजीव जैन,विजय जैन, अमित जैन,मोहित जैन,शुभम जैन, समस्त मोती कटरा के अलावा विभिन्न शैलियों की जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

रिपोर्ट : शुभम जैन